मन ना रंगाए जोगी कपड़ा रंगाए

तन को जोगी सब करे, मन को करे ना कोई,
सहजे सब सिद्धि पाइए, जो मन जोगी होय ।
हम तो जोगी मन ही के, तन के हैं ते और,
मन को जोग लगावता, दशा भई कछु और ॥

मन ना रंगाए जोगी,कपड़ा रंगाए,
मन ना फिराए जोगी,मनका फिराए,
मन ना रंगाए जोगी,कपड़ा रंगाए |

आसन मार गुफा में बैठे,मनवा चहुँ दिस ध्याये,
भव तारट घट बीच बिराजे,
खोजें तीरथ जाए,
मन ना रंगाए जोगी,कपड़ा रंगाए |

पोथी बांचे,याद करावे,
भगति कहूं नहीं पाये,
मनका मनका फेरे नाही,
तुलसी माल फिराए फिराए,
मन ना रंगाए जोगी,कपड़ा रंगाए |

जोगी होके जागा नाही,
चौरासी भरमाये,
जोग-जुगत सो दास कबीरा,
अलख निरंजन पाये,
मन ना रंगाए जोगी,कपड़ा रंगाए |

मन ना रंगाए जोगी,कपड़ा रंगाए,
मन ना फिराए जोगी,मनका फिराए,
मन ना रंगाए जोगी,कपड़ा रंगाए |

रचयिता - कबीर दास

स्वर : हरी ॐ शरण

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/1207/title/man-na-rangaye-jogi-kapda-rangaye-man-na-firaye-jogi-manka-firaye-Kabir-Das-bhajan-lyrics-by-Hari-Om-Sharan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |